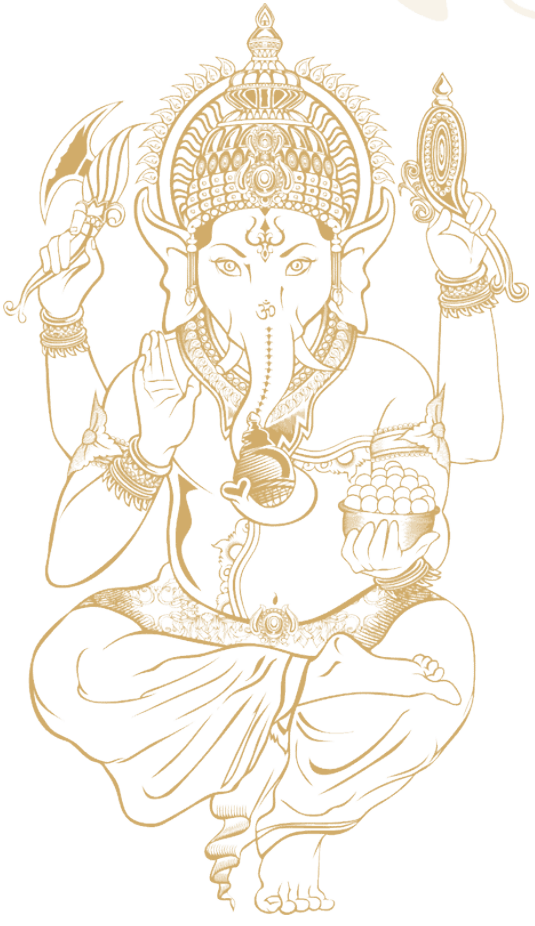

Mr. Shriyank

Mrs shubhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119715115

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	25/10/1995
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	10:55:55 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	11:54:39 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Bhopal
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:21:38
18:20:20	सूर्यास्त	17:46:48
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:01

विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि

मंगल	
16/02/2024	
16/02/2031	
मंगल	15/07/2024
राहु	02/08/2025
गुरु	09/07/2026
शनि	18/08/2027
बुध	14/08/2028
केतु	10/01/2029
शुक्र	12/03/2030
सूर्य	18/07/2030
चन्द्र	16/02/2031

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	25:53:37
सूर्य	मीन	09:34:42
चंद्र	धनु	18:03:57
मंगल	कर्क व	19:22:20
बुध	कुंभ	20:53:53
गुरु	वृश्चि	21:29:21
शुक्र	कुंभ	01:45:16
शनि	कुंभ	23:27:44
राहु	तुला व	12:16:05
केतु	मेष व	12:16:05
हर्ष	मक	05:57:40
नेप	मक	01:25:58
प्लूटो	वृश्चि व	06:41:39

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	07:25:28
सूर्य	तुला	07:31:29
चंद्र	तुला	21:21:02
मंगल	वृश्चि	09:19:16
बुध	कन्या	20:24:54
गुरु	वृश्चि	20:53:00
शुक्र	तुला	24:44:46
शनि	कुंभ व	24:50:48
राहु	तुला व	02:43:22
केतु	मेष व	02:43:22
हर्ष	मक	02:52:26
नेप	धनु	29:05:10
प्लूटो	वृश्चि	05:34:26

विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 4मा 16दि

शनि	
12/03/2010	
12/03/2029	
शनि	15/03/2013
बुध	23/11/2015
केतु	01/01/2017
शुक्र	02/03/2020
सूर्य	12/02/2021
चन्द्र	14/09/2022
मंगल	23/10/2023
राहु	29/08/2026
गुरु	12/03/2029

लग्न-चलित

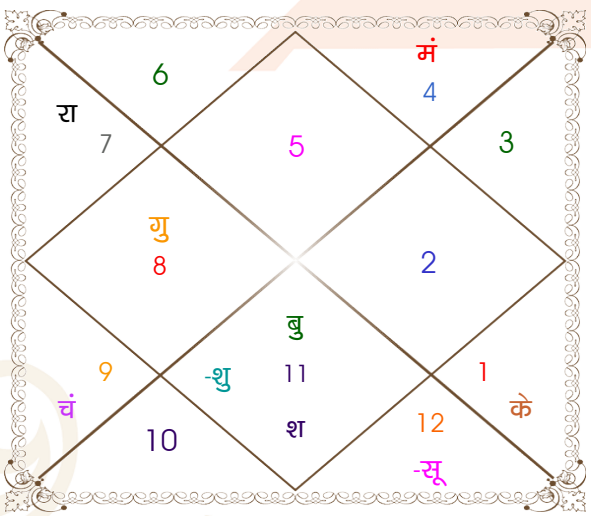

लग्न-चलित

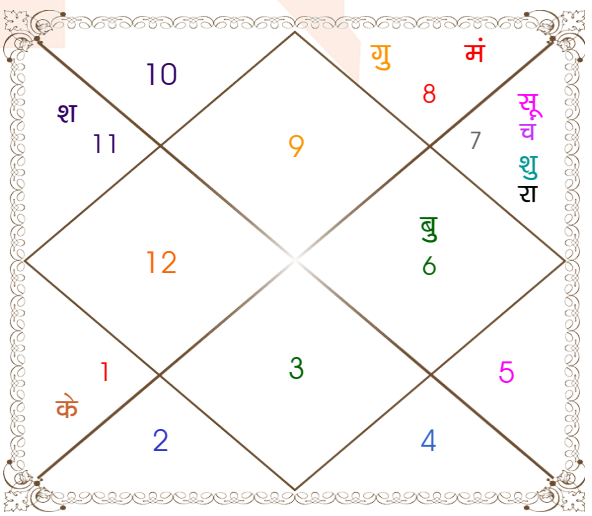

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डतेीनइीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डतेीनइीप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतेीनइीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतेोनइीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतेोनइीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतेोनइीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतेोनइीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shriyank कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डतेोनइीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।